

वसंतराव नाईक मराठवाडा कृषि विद्यापीठ, परभणी
सहायक प्राध्यापक अन्न व पोषण संवर्गाचे सेवा प्रवेश नियम (Recruitment Rules) २०२३

१.	संक्षीप्त नाव, प्रारंभ	
	१) या नियमांना वसंतराव नाईक मराठवाडा कृषि विद्यापीठातील “ सहायक प्राध्यापक अन्न व पोषण ”, गट-अ सेवा प्रवेश नियम २०२३ असे संबोधण्यात यावे.	
	२) सदर नियम विद्यापीठ संकेतस्थळावर प्रसिद्ध झाल्याच्या दिनांकापासून अंमलात येतील.	
२.	व्याख्या— या नियमात संदर्भानुसार दुसरा अर्थ अभिप्रेत नसेल तर—	
	(१) “विद्यापीठ” याचा अर्थ महाराष्ट्र कृषि विद्यापीठ अधिनियम १९८३ नुसार स्थापन केलेले विद्यापीठ असा आहे.	
	(२) “पदवी” याचा अर्थ सांविधिक विद्यापीठाची कोणत्याही शाखेतील पदवी किंवा शासनाने त्याच्याशी समतुल्य म्हणून घोषित केलेली अन्य कोणतीही अर्हता;	
	(३) “ शासन” याचा अर्थ महाराष्ट्र शासन असा आहे;	
	(४) “गट- अ” याचा अर्थ शासनाकडील गट- अ मध्ये येणारी पदे असा आहे;	
	(५) “माध्यमिक शाळा प्रमाणपत्र परीक्षा” याचा अर्थ महाराष्ट्र माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळे अधिनियमन, १९६५ (१९६५ चा महाराष्ट्र अधिनियम क्र.४१) अन्वये गठित केलेल्या विभागीय मंडळाकडून घेण्यात येणारी माध्यमिक शाळा प्रमाणपत्र परीक्षा, असा आहे. आणि त्यामध्ये, शासनाने त्यास समतुल्य म्हणून घोषित केलेली इतर कोणत्याही परीक्षा याचा सामावेश होतो.	
	(६) “ नियुक्ती प्राधिकारी” याचा अर्थ विद्यापीठ अधिनियम व परिनियमानुसार विद्यापीठ सेवेतील संबंधित पदावर उमेदवाराची नियुक्ती करण्यासाठी सक्षम असणारा प्राधिकारी.	
	(७) “ज्येष्ठता अधिन पात्रता” याचा अर्थ सेवाज्येष्ठता यादीनुसार ज्येष्ठता व सामान्य प्रशासन विभागाने दिनांक ०१.०८.२०१९ च्या आदेशाद्वारे व त्यानंतर वेळोवेळी या संदर्भात निर्गमित केलेल्या आदेशाद्वारे पदोन्नतीसाठी विहित केलेल्या अटी व शर्ती नूसारची पात्रता असा आहे.	
	(८) “ अधिनियम” याचा अर्थ महाराष्ट्र कृषि विद्यापीठ अधिनियम १९८३ असा आहे व त्यामध्ये झालेल्या वेळोवेळी सुधारणासह	
	(९) “ परिनियम ” याचा अर्थ महाराष्ट्र कृषि विद्यापीठ परिनियम १९९० असा आहे व त्यामध्ये झालेल्या वेळोवेळी सुधारणासह	
	(१०) “ विद्यापीठ सारसंग्रह ” याचा अर्थ विद्यापीठाने प्रदान केलेल्या अधिकारांची विभागणी व तरतुदी असा आहे व त्यामध्ये झालेल्या वेळोवेळी सुधारणासह	
	(११) “ कार्यकारी परिषद ” याचा अर्थ महाराष्ट्र कृषि विद्यापीठ अधिनियम १९८३ मधील अधिनियम क्र. ३० मध्ये व महाराष्ट्र कृषि विद्यापीठ परिनियम १९९० मधील परिनियम क्र. ३ मध्ये नमुद परिषद व त्यामध्ये झालेल्या वेळोवेळी सुधारणासह	

	(१२)	“ विद्वत परिषद ” याचा अर्थ महाराष्ट्र कृषि विद्यापीठ अधिनियम १९८३ मधील अधिनियम क्र. ३३ व महाराष्ट्र कृषि विद्यापीठ परिनियम १९९० मधील परिनियम क्र. ४ मध्ये नमुद परिषद व त्यामध्ये झालेल्या वेळोवेळी सुधारणासह
	(१३)	“ निवड समिती गट-अ ” याचा अर्थ महाराष्ट्र कृषि विद्यापीठ अधिनियम १९८३ मधील अधिनियम क्र. ५८ व महाराष्ट्र कृषि विद्यापीठ परिनियम १९९० मधील परिनियम क्र. ७५ मध्ये नमुद केल्यानूसार नियोजीत समिती व त्यामध्ये झालेल्या वेळोवेळी सुधारणासह
	(१४)	“ आचार्य पदवी ” याचा अर्थ संविधिक विद्यापीठाची कोणत्याही शाखेतील आचार्य पदवी किंवा शासनाने त्याच्याशी समतुल्य म्हणून घोषित केलेली अन्य कोणतीही अर्हता असा आहे.
	(१५)	“ पदव्युत्तर पदवी ” याचा अर्थ संविधिक विद्यापीठाची कोणत्याही शाखेतील पदव्युत्तर पदवी किंवा शासनाने त्याच्याशी समतुल्य म्हणून घोषित केलेली अन्य कोणतीही अर्हता असा आहे.
	(१६)	“ कृषि परिषद ” याचा अर्थ महाराष्ट्र कृषि विद्यापीठ अधिनियम १९८३ अन्वये स्थापन केलेली महाराष्ट्र कृषि शिक्षण व संशोधन परिषद असा आहे.
	(१७)	“ नेट ” याचा अर्थ केंद्र शासनाने घोषीत केलेली सहायक प्राध्यापक व त्यावरील पदासाठी आवश्यक असलेली राष्ट्रीय पातळीवर घेण्यात येणारी राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा असा आहे.
	(१८)	“ सेट ” याचा अर्थ राज्य शासनाने घोषीत केलेली सहायक प्राध्यापक व त्यावरील पदासाठी आवश्यक असलेली राज्य पातळीवर घेण्यात येणारी राज्य पात्रता परीक्षा असा आहे.
३.	<u>नियुक्तीचा मार्ग :-</u>	
	“ सहायक प्राध्यापक अन्न व पोषण ”, गट-अ या पदावरील नियुक्ती पुढील मार्गाने करण्यात येईल.	
	<u>नामनिर्देशनाद्वारे नियुक्तीचा मार्ग :-</u>	
	विद्यापीठाने प्रसिद्ध केलेल्या जाहीरातीच्या अनुषंगाने विद्यापीठ निवड समिती गट - अ मार्फत घेण्यात येणाऱ्या स्पर्धात्मक परीक्षेच्या/मुलाखतीच्या अंतिम निकालाच्या आधारे शिफारस करण्यात आलेल्या उमेदवारांमधून नामनिर्देशनाद्वारे	
	(एक)	<u>वयोमर्यादा :</u> १) किमान वयोमर्यादा : १८ वर्ष पुर्ण २) कमाल वयोमर्यादा : खुल्या वर्गातील व्यक्तीसाठी ३८ वर्ष पुर्ण व मागासवर्गीय व्यक्तीसाठी ४३ वर्ष पुर्ण ३) वयोमर्यादेची गणना : जाहीरातीत नमुद केलेल्या अर्ज स्विकृतीच्या अंतीम दिनांकास उपरोक्त प्रमाणे नमुद केलेली किमान व कमाल वयोमर्यादा धारण केलेली असणे आवश्यक राहील. ४) शासनाने वेळोवेळी वयोमर्यादेत दिलेली सुट व विद्यापीठ कार्यकारी परिषदेने वेळोवेळी केलेले ठराव व नियम योग्य त्या फेरफारासह लागू राहील.

		<p>(दोन)</p> <p>शैक्षणिक अर्हता :</p> <p>A)</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. A Master's degree with 55% marks (or an equivalent grade in a point-scale wherever the grading system is followed) in a concerned/ relevant / allied subject from an Indian University, or an equivalent degree from an accredited foreign university. 2. Besides fulfilling the above qualifications, the candidate must have cleared the National Eligibility Test (NET) conducted by the UGC or the ICAR, or a similar test accredited by the UGC, like SET or who are or have been awarded a Ph. D. Degree in accordance with the University Grants Commission (Minimum Standards and Procedure for Award of M.Phil./Ph.D. Degree) Regulations, 2009 or 2016 and their amendments from time to time as the case may be exempted from NET/SET : <p><i>Provided</i> the candidates registered for the Ph.D. programme prior to July 11, 2009, shall be governed by the provisions of the then existing Ordinances / Bye-laws / Regulations of the Institution awarding the degree and such Ph.D. candidates shall be exempted from the requirement of NET/ SET for recruitment and appointment of Assistant Professor or equivalent positions in Universities / Colleges/Institutions subject to the fulfillment of the following conditions:</p> <ol style="list-style-type: none"> a. The Ph.D. degree of the candidate has been awarded in regular mode only; b. The Ph.D. thesis has been evaluated by at least two examiners; c. An open Ph.D. viva voce of the candidate has been conducted; d. The candidate has published two research papers from his/her Ph.D. work, out of which atleast one is in a referred journal; e. The candidate has presented at least two papers, based on his/her Ph.D. work in conferences/seminars, sponsored/funded/supported by the UGC/ICAR/CSIR or any similar agency. <p><i>The fulfillment of these conditions is to be certified by the Registrar or the Dean (Academic affairs) of the University concerned.</i></p> <p>Note: NET/SET shall also not be required for such Masters Programmes in disciplines for which NET/SET is not conducted. However, Ph.D. degree shall remain the minimum eligibility for appointment of Assistant Professor in such disciplines.</p> <p style="text-align: center;">OR</p> <p>B) The Ph.D. degree has been obtained from a foreign university/institution with a ranking among top 500 in the World University Ranking (at any time) by any one of the following:</p> <ol style="list-style-type: none"> i. Quacquarelli Symonds (QS) ; ii. the Times Higher Education (THE) or iii. the Academic Ranking of World Universities (ARWU) of the Shanghai Jiao Tong University (Shanghai). <p>C) केंद्र, राज्य शासन व विद्यापीठाने वेळोवेळी निश्चित केलेली शैक्षणिक अर्हता लागू राहील.</p>
--	--	----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------

४.	<p><u>नियुक्ती मार्गानुसार नियुक्तीचे प्रमाण :-</u></p> <p>नियम ३ येथे नमूद केलेल्या पदाच्या एकूण मंजूर पद संख्येसाठी, नामनिर्देशनाने नियुक्ती देण्याचे प्रमाण हे १०० टक्के असे राहील.</p>
५.	<p><u>विभागीय परीक्षेची तरतुद :-</u></p> <p>विद्यापीठाने विहित केलेली विभागीय सेवा प्रवेशोत्तर परीक्षा संबंधित पदावर रुजू झाल्यानंतर ३ संधीमध्ये (मागासवर्गीय उमेदवारांसाठी ४ संधीमध्ये) उत्तीर्ण करणे अथवा सूट प्राप्त करणे आवश्यक राहील. विहित कालावधी विभागीय सेवा प्रवेशोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण / सूट प्राप्त न केल्यास संबंधिताच्या विहित संधीनंतर वेतनवाढी शासन नियमानुसार रोखण्यात येतील.</p> <p>तसेच सदर विभागीय परीक्षा संबंधित कर्मचाऱ्याला संबंधित पदावरून नजीकच्या वरिष्ठ पदावर पदोन्ती देण्यासाठी एक अहंता म्हणून घेण्यात येत असल्यामुळे ती उत्तीर्ण / सूट प्राप्त करणे बंधनकारक असेल. तसे केले नसल्यास संबंधिताचा पदोन्ती करीता विचार करण्यात येणार नाही.</p> <p>तथापी परिविक्षा कालावधीत (वाढीव कालावधीसह) विहित केलेली विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण न झाल्यास किंवा शासनाच्या परिविक्षा धोरणानुसार हा कालावधी समाधानकारकरित्या पूर्ण न केल्यास त्यांची सेवा समाप्त करण्यात येईल.</p>
६.	<p><u>परिविक्षाधीन कालावधी :</u></p> <p>नियम ३ येथे नमूद केलेल्या पदावर नामनिर्देशनाने नियुक्त झालेली व्यक्ती २ वर्षांच्या कालावधी करीता परिविक्षाधीन राहील. परिविक्षा कालावधी हा नियुक्ती प्राधिकारी कमाल एक वर्षापर्यंत वाढवू शकेल. सदर परिविक्षा कालावधी (वाढीव कालावधीसह) विहित केलेली विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करणे आणि शासनाच्या परिविक्षा धोरणानुसार हा कालावधी समाधान कारकरित्या पूर्णकरणे आवश्यक राहील.</p> <p>तथापी परिविक्षा कालावधीत (वाढीव कालावधीसह) विहित केलेली विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण न झाल्यास किंवा शासनाच्या परिविक्षा धोरणानुसार हा कालावधी समाधानकारकरित्या पूर्ण न केल्यास त्यांची सेवा समाप्त करण्यात येईल.</p> <p>शासन निर्णय दिनांक २२ जून २०२१ नुसार परिविक्षाधीन उमेदवारास परिविक्षा कालावधी मध्ये कोणतीही वेतन वाढ अनुज्ञेय असणार नाही. तसेच परिविक्षाधीन कालावधी मध्ये आवश्यक असलेल्या विद्यापीठ विभागीय सेवा-प्रवेशोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण अथवा सूट, संगणक अहंता परीक्षा उत्तीर्ण अथवा सूट, एतदर्थ मंडळाची मराठी व हिंदी भाषा परीक्षा उत्तीर्ण/सूट प्राप्त करणे आवश्यक राहील त्याशिवाय परिविक्षाधीन कालावधी समाप्त केला जाणार नाही.</p> <p>ज्यावेळी त्यांनी परिविक्षाधीन कालावधी समाधानकारकरित्या पूर्ण केल्यामुळे त्यांचे परिविक्षाधीन कालावधी समाप्त करण्याचे आदेश निर्गमित होतील त्यानंतर संबंधीत परिविक्षाधीन उमेदवार वेतनवाढ मिळण्यास पात्र होईल.</p>

७.	<u>एतदर्थ मंडळाची हिंदी व मराठी भाषा परीक्षेबाबतची तरतूद :</u>
	<p>नियम ३ मध्ये नमूद केलेल्या पदावर नामनिर्देशनाद्वारे नियुक्त होणाऱ्या व्यक्तीने, हिंदी भाषा परिक्षा व मराठी भाषा परीक्षा या दोन्ही परीक्षांसंदर्भात मराठी भाषा विभागाने वेळोवेळी केलेल्या नियमानुसार, हिंदी भाषा व मराठी भाषा परीक्षा उत्तीर्ण केलेली नसेल अथवा उत्तीर्ण होण्यापासून सूट मिळविलेली नसेल तर, नियुक्तीनंतर संबंधित नियमात नमूद केलेल्या विहित मुदतीत (नियुक्ती पासून ३ वर्षांच्या आत) एतदर्थ मंडळाची मराठी व हिंदी भाषा परीक्षा उत्तीर्ण होणे आवश्यक राहील. त्याचप्रमाणे विहित मुदतीत एतदर्थ मंडळाची मराठी व हिंदी भाषा परीक्षा उत्तीर्ण न झाल्यास सदर परीक्षा उत्तीर्ण होईपर्यंत वार्षिक वेतनवाढ अनुज्ञेय राहणार नाही. तसेच वरिष्ठ पदावर पदोन्तती अनुज्ञेय राहणार नाही.</p>
८.	<u>संगणक अर्हता प्रमाणपत्राबाबतची तरतूद :</u>
	<p>नियम ३ येथील पदावर नामनिर्देशनाद्वारे नियुक्त होणाऱ्या व्यक्तीने, संगणक अर्हता प्रमाणपत्रासंदर्भात शासनाने वेळोवेळी केलेल्या नियमानुसार, नियुक्तीपूर्वी संगणक अर्हता प्रमाणपत्र धारण केलेले नसल्यास, याबाबतच्या नियमात नमूद केलेल्या विहीत मुदतीत सदर प्रमाणपत्र धारण करणे आवश्यक राहील. त्याचप्रमाणे विहीत मुदतीत प्रमाणपत्र धारण न केल्यास, सदर संगणक प्रमाणपत्र धारण करेपर्यंत वार्षिक वेतनवाढ अनुज्ञेय राहणार नाही. तसेच वरिष्ठ पदावर पदोन्तती अनुज्ञेय राहणार नाही.</p>
९.	<u>लहान कुटूंबाच्या प्रतिज्ञापनाबाबतची तरतूद :</u>
	<p>नियम ३ येथील पदावर नामनिर्देशना द्वारे नियुक्त होणाऱ्या व्यक्तीने, महाराष्ट्र नागरी सेवा (लहान कुटूंबांचे प्रतिज्ञापन) नियम २००५ मधील तरतूदी नुसार व त्याबाबत वेळोवेळी करण्यात येणा-या नियमानुसार, नियुक्तीच्या वेळी लहान कुटूंबांचे प्रतिज्ञापन सादर करताना त्यामध्ये दोन पेक्षा अधिक अपत्ये नियुक्तीच्या वेळीस हयात असल्यास संबंधित उमेदवार शासकीय नियुक्तीसाठी अपात्र राहील. तसेच यासंदर्भात वेळोवेळी निर्गमित होणारे शासन आदेश लागू राहतील.</p>
१०.	<u>बदली बाबतची तरतूद :</u>
	<p>नियम ३ येथील पदावर नियुक्त होणाऱ्या व्यक्तीची सेवाजेष्ठता यादी ही विद्यापीठ स्तरावर ठेवण्यात येईल. त्यामुळे सदर व्यक्ती ही विद्यापीठाच्या अंतर्गत मराठवाडयातील ८ जिल्ह्यात सक्षम प्राधिकाऱ्याच्या मान्यतेने बदलीसाठी पात्र राहील.</p>
११.	<u>शासकीय सेवेत प्रवेश केल्यानंतर सेवाविषयक अन्य आदेश / नियम लागू होतील :</u>
	<p>विद्यापीठ सेवेतील नियुक्तीसाठी या नियमांद्वारे विहित करण्यात आलेल्या अटी व शर्तीची पूर्तता करणे आवश्यक आहे. सदर नियमानुसार विद्यापीठ सेवेत नियुक्ती झाल्यानंतर, संबंधित कर्मचा-यास, सेवेच्या कालावधीत, महाराष्ट्र नागरी सेवानियम, तसेच सेवाविषयक बाबी संदर्भात राज्य शासनाने वेळोवेळी अधिनियम/ अधिसुचना/ शासन निर्णय/ शासन आदेशाद्वारे निर्गमित केलेले अन्य नियम लागू राहतील.</p>


 (धिरजकुमार रा.कदम)
 कुलसचिव

